

SHRI AKKITHAM ACHYUTHAN NAMBUDIRI

Shri Akkitham Achyuthan Nambudiri popularly known as Akkitham is a well known Malayalam language poet, social worker, essayist and editor. In all, fifty collections of his poems, essays and short stories have been published. Among his works is a mile stone poem titled "IRUPATHAM NOOTTANDINTE ITHIHASAM"(Epic of Twentieth century) which is reckoned by many in the literary field as the master piece which heralded modernism in Malayalam poetry. Another noted work by him is "BALIDARSHANAM"(Vision of Bali) a long narrative poem reflecting on the legend of Mahabali within the contemporary context.

2. Born on March 18, 1926, Shri Akkitham had traditional training at home in Vedas, Sanskrit and Astrology before joining Kumaranallur Govt. High school for his formal education. After which although he joined Guruvayurappan College, Kozhikode for his graduation he couldn't complete the course.

3. Shri Akkitham started his carrier as a journalist by being the editor and publisher of 'UNNINAMBUDIRI',' YOGAKSHEMAM' and `MANGALODAYAM', social and literary magazines published from Thrissur in the fifties. In the year 1956, he joined All India Radio, Kozhikode as a script writer. In 1975, he moved to All India Radio, Thrissur as editor of Programs.

4. One of the most valued work by Shri Akkitham is the translation of SRIMAD BHAGAVATAM in to Malayalam, comprising 14613 verses which runs over 2400 printed pages. Apart from poetic pursuits, he also has a keen interest in bringing reforms relevant to the time. He was part of the Yogakshema Sabha which brought revolutionary social reforms among Nambudiri Brahmins. He also made active efforts to promote Vedic studies and proliferation of it among non-Brahmins.

5. Shri Akkitham is the recipient of numerous awards and honours, including Kerala and Central Sahitya Akademi Awards, Aasan Prize,Vallathol Award,Kabir Samman, Tagore Prize, Moorthidevi Award of Jnanpith Committee, Ezhuthachan Award of Kerala State, Vayalar Award and Matrubhumi Award.



श्री अक्कित्तम अच्युतन नम्बूदिरि

श्री अक्कित्तम अच्युतन नम्बूदिरि अकिथम नाम से लोकप्रिय है एवं आप मलयालम भाषा के सुप्रसिद्ध कवि, सामाजिक कार्यकर्ता, आलेखक एवं संपादक हैं। अब तक आपकी कविताओं, आलेखों एवं लघु कथाओं के 50 संकलन प्रकाशित हो चुके हैं। आपकी कृतियों में सर्वोत्कृष्ट ''इरूपथम नुट्टानदिन्ते इतिहासम'' (20वीं सदी का महाकाव्य) नामक कविता है जिसे साहित्य के क्षेत्र के कई विद्वानों के द्वारा मलयालम काव्य में आधुनिकता की शुरूआत करने वाली कविता मानी जाती है। आपके द्वारा एक और उल्लेखनीय कृति है ''बलिदर्शनम'' (बलि का दर्शन), जो आधुनिक संदर्भों में महाबली की गाथा को दर्शाती एक लंबी कथा-कविता है।

2. आपका जन्म 18 मार्च, 1986 को हुआ। आपने वेद, संस्कृत एवं ज्योतिष में घर पर ही पारंपरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये एवं उसके बाद औपचारिक शिक्षा के लिए आपने कुमारन्नलुर सरकारी उच्च विद्यालय में प्रवेश किया। इसके बाद, यद्यपि आपने गुरूवायुरप्पम कॉलेज कोजिकोड में स्नातक की शिक्षा के लिए प्रवेश लिया परंतु आप अपने पाठ्यक्रम को पूरा नहीं कर सके।

3. आपने ''उन्नीनाम्बूदरी'', ''योगक्षेमम'' एवं ''मंगलोदयम'', के संपादक एवं प्रकाशक के रूप में अपने पत्रकारिता जीवन की शुरूआत की तथा 50 के दशक में त्रिशूर से सामाजिक एवं साहित्यिक पत्रों को प्रकाशित किया। वर्ष 1956 में स्क्रीप्ट लेखक के रूप में आपने आकाशवाणी कोजिकोड में ज्वाइन किया। वर्ष 1975 में कार्यक्रम संपादक के रूप में आपने आकशवाणी त्रिशूर ज्वाइन किया।

4. आपकी सर्वाधिक उत्कृष्ट कृतियों में से एक कृति है मलयालम भाषा में श्रीमदभागवतम् का अनुवाद जिसमें 14613 श्लोक हैं और जो 2400 पृष्ठों का विशाल ग्रंथ है। काव्यात्मक कृतियों के अतिरिक्त, समय-संदर्भित सुधार कार्यक्रमों में आपकी गहरी रूचि रही है। आप योगछेम सभा में शामिल थे जिसने नाम्बूदरी ब्राह्मणों मे व्यापक सामाजिक सुधार लाया। आपने वैदिक अध्ययनों एवं गैर ब्राह्मणों में इसके प्रचार प्रसार के लिए सक्रिय प्रयास किये।

5. आपको केरल एवं केन्द्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार, आसन पुरस्कार, वल्लाथोल पुरस्कार, कबीर सम्मान, टैगौर पुरस्कार, ज्ञानपीठ समिति के मूर्तिदेवी पुरस्कार, केरल सरकार के इज्यूथाचन पुरस्कार, वायालर पुरस्कार मातृभूमि पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।